पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट
अधिग्रहित हाइपोथायराइडिज्म: परिवारों के लिए मार्गदर्शक जानकारी

अधिग्रहीत (अक्वायर्ड) हाइपोथायराइडिज्म क्या है?

थायराइड ग्रंथि (ग्लैंड) एक छोटी सी, तितली के आकार की, हार्मोन बनाने वाली एंडोक्राइन ग्रंथि है । यह गले के निचले भाग में स्थित होती है । जब थायराइड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में थायराइड हार्मोन (T3: ट्राई-आयोडोथायरोनिन एवं T4: थायरोक्सिन) नहीं बना पाती, इस अवस्था को हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं । हाइपोथायराइडिज्म जन्म के समय मौजूद हो सकता है । हाइपोथायराइडिज्म किशोर अवस्था, जवानी या बुढ़ापे के समय भी हो सकता है ।

अधिग्रहीत हाइपोथायराइडिज्म बहुत ही आम बीमारी है। यह लगभग 1250 में से 1 बच्चे में पायी जाती है । अधिकांश बच्चों में यह रोग स्थायी होता है और इलाज की जरूरत पूरी जिंदगी पड़ती है । यह तथ्य चार्ट जनम के बाद प्राप्त होने वाले 'अधिग्रहीत हाइपोथायराइडिज्म' के बारे में अधिक जानकारी देने के लिए है ।

थायराइड ग्रंथि दो प्रकार के थायराइड हार्मोन बनाती है (T3 और T4) । यह उत्पादन पिट्यूटरी ग्रंथि (Pituitary gland) के द्वारा नियंत्रित किया जाता है । पिट्यूटरी ग्रंथि दिमाग में स्थित एक एंडोक्राइन ग्रंथि है जो TSH (थाइरोइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन) बनाती है । थायराइड हार्मोन के उत्पादन में TSH अहम भूमिका निभाता है । थायराइड हार्मोन शरीर और हड्डियों के विकास के लिए अत्यावश्यक है । थायराइड हार्मोन मेटाबॉलिज्म और शरीर के तापमान का नियंत्रण भी करता है ।

अधिग्रहीत हाइपोथायराइडिज्म के कारण क्या होते हैं?

हाइपोथायराइडिज्म थाइरॉयड ग्रंथि या पिट्यूटरी ग्रंथि में समस्या होने से उत्पन्न हो सकता है । थायराइड ग्रंथि को एंटीबॉडी या विकिरण (रेडीएशन) से क्षति हो सकती है । पिट्यूटरी ग्रंथि को सिर में भारी चोट लगने से या विकिरण इलाज से क्षति हो सकती है । कुछ दवाइयां भी थायराइड हार्मोन के उत्पादन में दखल देती हैं । खाने में बहुत अधिक या बहुत कम आयोडीन होने की वजह से हाइपोथायराइडिज्म हो सकता है ।

बच्चों में हाइपोथायराइडिज्म का सबसे सामान्य कारण एंटीबॉडी होता है । इस रोग को ऑटोइम्यून थ्यरैडैटेस या हाशिमोटो डिजीज कहते हैं । कुछ बच्चों में हाइपोथायराइडिज्म होने की संभावना ज्यादा होती है, खासकर वह बच्चे जिन्हें कोई जन्मजात सिंड्रोम जैसे कि डाउन सिंड्रोम या टर्नर सिंड्रोम हो, इंसुलिन निर्भर मधुमेह (टाइप 1 डाइबीटीज़) हो या कैंसर के लिए विकिरण इलाज मिला हो ।

अधिग्रहीत हाइपोथायराइडिज्म के लक्षण क्या होते हैं?

हाइपोथायराइडिज्म के लक्षण इस प्रकार से हैं:

- थकान
- वजन बढ़ना (ज्यादा से ज्यादा 2 से 5 किलोग्राम)
- अत्यधिक ठंड लगना
- सूखी त्वचा
- बालों का झड़ना
- कब्ज
- सामान्य से कम विकास

अक्सर बच्चे के गले में बढ़ी हुई थायराइड ग्रंथि महसूस हो पाती है, इसे गोइटर कहते हैं ।

अधिग्रहीत हाइपोथायराइडिज्म का डायगनोसिस कैसे होता है?

खून की जांच द्वारा हाइपोथायराइडिज्म का डायगनोसिस किया जा सकता है। थाइरॉयड ग्रंथि एवं पिट्यूटरी ग्रंथि द्वारा बनाए जाने वाले हार्मोन को टेस्ट करके हाइपोथायराइडिज्म का डायगनोसिस होता है। आमतौर पर Free T4, Total T4 और TSH के स्तर चेक किए जाते हैं। यह टेस्ट सस्ते हैं और अधिकतम डॉक्टरों के पास इन्हें जांचने की सुविधा होती है।

प्राइमरी हाइपोथायराइडिज्म में Free T4 का स्तर कम और TSH का स्तर ज्यादा होता है। सेकेंडरी हाइपोथायराइडिज्म में TSH और Free T4, दोनों का स्तर कम होता है। TSH और Free T4 के सामान्य स्तर, बच्चों और बड़ों में अलग होते हैं। इसलिए बच्चों में हाइपोथायराइडिज्म का डायगनोसिस एक बाल चिकित्सक एंडोक्रिनोलोजिस्ट से परामर्श करके ही होना चाहिए।

अधिग्रहीत हाइपोथायराइडिज्म का इलाज कैसे होता है?

हाइपोथायराइडिज्म के इलाज के लिए लिवोथ्यरोकसिन (Levothyroxine) नामक दवाई का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक सिंथेटिक थायराइड हार्मोन है। लिवोथ्यरोकसिन केवल गोली के रूप में उपलब्ध है और इसका कोई सिरप नहीं होता। इस गोली को दिन में एक बार लेना होता है। ज्यादातर बच्चों को इलाज की जरूरत पूरी जिंदगी पड़ती है। लिवोथ्यरोकसिन के कुछ ही दुष्प्रभाव हैं। वे दुष्प्रभाव आमतौर पर ज्यादा मात्रा में लिवोथ्यरोकसिन लेने की वजह से होते हैं।

आपके बच्चे के डॉक्टर लिवोथ्यरोकसिन प्रिस्क्राइब करने के बाद दोबारा खून की जांच करेंगे। यह जांच कम से कम 6 से 8 हफ्ते के बाद होगी क्योंकि शरीर को नए हार्मोन स्तर को समायोजित करने में उतना वक्त लगता है। अगर लिवोथ्यरोकसिन की खुराक ठीक है, तो खून की जांच में TSH और Free T4 के सामान्य स्तर पाए जाएंगे। लिवोथ्यरोकसिन की खुराक नियमित रूप से थायराइड हार्मोन के स्तर मॉनिटर करने से निर्धारित होगी।

यदि आपके बच्चे को नींद आने में दिक्कत, बेचैन नींद या पढ़ाई में एकाग्रता की कमी लगे, तो अपने चिकित्सक को सूचित करें। यह चिन्ह शायद लिवोथ्यरोकसिन की ज़्यादा खुराक से हो सकते हैं।

हाइपोथायराइडिज्म का कोई स्थायी इलाज नहीं है। हार्मोन प्रतिस्थापन सुरक्षित और प्रभावी माना गया है। दिन में एक बार लिवोथ्यरोकसिन लेने और नियमित रूप से अपने बाल चिकित्सक एंडोक्रिनोलोजिस्ट से जांच करवाने से आपका बच्चा एक सामान्य और स्वस्थ जीवन जी सकता है।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY